संपादकीय

कांग्रेस का नव चिंतन

राहुल गांधी का यह स्वीकार करना अहम है कि कांग्रेस का जनता का जनता से संवाद टूट गया है। उनकी दूसरी यह बात महत्त्वपूर्ण है कि भाजपा के खिलाफ संघर्ष में अब कोई शॉर्ट कट नहीं है।

कांग्रेस ने उदयपुर में अपने चिंतन शिविर में अपने और देश के वर्तमान यथार्थ को स्वीकार करने का साहस दिखाया- यह कहा जा सकता है। इसके अनुरूप उसने अपनी रणनीति और कार्यनीति को ढालने का फैसला किया है- यह भी वहां स्वीकार किए गए नव संकल्प घोषणा पत्र से स्पष्ट है। असल में क्या होगा, यह अभी नहीं कहा जा सकता। लेकिन कुछ बातों ने ध्यान खींचा। मसलन, राहुल गांधी का यह स्वीकार करना कि कांग्रेस का जनता का जनता से संवाद और संपर्क टूट गया है। उनकी दूसरी यह बात महत्त्वपूर्ण है कि भारतीय जनता पार्टी ने जिस तरह सत्ता के सभी केंद्रों पर अपनी पकड़ बना ली है, अब उसके खिलाफ संघर्ष में कोई शॉर्ट कट नहीं है। दरअसल, संघर्ष की बात कहना ही अपने-आप में अहम है। इससे बात चुनावी रणनीति और जोड़-तोड़ से आगे जाती है। यह समझ भी सही दिशा में है कि अब कांग्रेस के नेता हों या कार्यकर्ता- सबको जनता के बीच सचमुच जाना होगा- यानी सिर्फ जनता के पास जाने की रस्म-अदायगी से काम नहीं चलेगा।

इसके साथ ही कांग्रेस ने अपने राजनीतिक-आर्थिक-सामाजिक संदेशों का भी नव-आविष्कार करने की कोशिश की है। मसलन, अर्थव्यवस्था के संबंध में उसका फिर से सार्वजनिक क्षेत्र की मुख्य भूमिका पर जोर देना, आर्थिक नीति में रोजगार को केंद्रीय महत्त्व देना, किसानों की स्वामीनाथन फॉर्मूले के मुताबिक न्यूनतम मूल्य की मांग का समर्थन करना, और नए सामाजिक यथार्थ के मुताबिक सामाजिक प्रतिनिधित्व की बात को स्वीकार करना- एक नव चिंतन की तरह है। अगर ये चिंतन सचमुच कांग्रेस नेतृत्व, संगठन और कार्यकर्ताओं के मानस में उतर पाया, तो कहा जा सकता है कि हाल की चुनावी हार से लगे झटके सार्थक हुए हैं। अगर इस चिंतन से कांग्रेस इस भ्रम से निकल पाई कि वह भारत में शासन की कुदरती पार्टी है और अपने को प्रबंधकीय भूमिका से निकाल कर फिर राजनीतिक संगठन बना पाई, तो उसके पुनरुद्धार की जमीन तैयार हो सकती है। देश को उससे ऐसी समझ और पहल की आशा है, यह एक जग-जाहिर बात है। इसलिए उसके नए संकल्प पर सबकी निगाहें टिकी रहेंगी।

गिरता रुपया बढ़ाएगा रोजगार संकट... फिर लौटने लगा छंटनी का दौर, नौकरी गंवाने का सता रहा डर

नई दिल्ली। डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट कारोबारियों के साथ रोजगार के मोर्चे पर भी मुश्किलें बढ़ानी शुरू कर दी है। विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी के बीच गुरुवार को रुपया 10 पैसे की गिरावट के साथ 77.72 प्रति डॉलर (अस्थायी) के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ। रुपये की कमजोरी से पडऩे वाले असर को देखते हुए रत्न आभूषण क्षेत्र के साथ स्टार्टअप ने छंटनी की शुरुआत कर दी है। आशंका जताई जा रही है कि आने वाले समय में इसका असर कपड़ा और अन्य क्षेत्रों पर भी हो सकता है।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 77.72 पर कमजोर खुला। कारोबार के अंत में रुपया 77.72 पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 10 पैसे की गिरावट को दर्शाता है। दिन में कारोबार के दौरान रुपया 77.76 के निचले स्तर तक गया। इसने 77.63 के उच्चस्तर को भी छुआ। बुधवार को रुपया 18 पैसे की गिरावट के साथ 77.62 प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुआ था। इक्रा की प्रमुख अर्थशास्त्री अदिति नायर का कहना है कि डॉलर के मुकाबले रुपया 79 के स्तर तक पहुंच सकता है। ऐसी स्थिति में हालात और खराब हो सकते हैं।

सूरत में हीरा तराशने से जुड़ी कई कंपनियों ने 2.5 लाख कारीगरों को छुट्टी पर भेज दिया है। कंपनियों का कहना है कि वह रूस की कंपनी अलरोसा से कच्चा हीरा आयात करते हैं और फिर इसे तराश कर निर्यात करते हैं। अमेरिका ने अलरोसा पर प्रतिबंध लगा दिया है। जबकि दुनिया भर के हीरा आयात में उसकी 30 फीसदी हिस्सेदारी है। ऐसे में कंपनियों का कहना है कि उनके पास फिलहाल काम बंद करने के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं है।

नौकरी गंवाने का सता रहा डर- सूरत के हीरा कारोबार में करीब 15 लाख लोगों को रोजगार मिला हुआ है जो इस क्षेत्र में कुल रोजगार का करीब एक तिहाई है। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि छुट्टी एक बहाना है क्योंकि इस दौरान कोई भी भुगतान नहीं होगा। साथ ही आने वाले समय में कभी भी नौकरी से निकालने का फरमान जारी हो सकता है। रत्न आभूषण एवं निर्यात संवर्द्धन परिषद के उपाध्यक्ष विपुल शाह का का कहना है कि हीरा तराशने का काम 100 फीसदी आयात पर निर्भर है। ऐसे में इसमें किसी भी तरह की रुकावट रोजगार का संकट खड़ा सकता है।

रुपया कैसे बिगाड़ेगा रत्न-आभूषण क्षेत्र का खेल- भारत रत्न आभूषण का सबसे बड़ा आयातक और निर्यातक है। यही वजह है कि डॉलर के मुकाबले रुपये में कमजोरी इस क्षेत्र के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। देश की कंपनियां पहले बिना तराशे रत्न-आभूषण का आयात करती हैं। यह डॉलर में होता है। डॉलर महंगा होने पर कारोबारियों को ज्यादा राशि खर्च करनी पड़ती है। वहीं डॉलर मजबूत होने पर निर्यातकों को लाभ तभी होता है जब बाजार में मांग होती है। जबकि मौजूदा समय में मांग भी घटी हुई है।

स्टार्टअप ने भी शुरू की छंटनी- पिछले कुछ वर्षों में जमकर रोजगार देने वाले स्टार्टअप भी अब छंटने करने लगे हैं। वेदांतू ने केवल मई में अब तक 600 से ज्यादा लोगों को नौकरी से निकाल चुका है। वहीं कार्स24 ने भी 600 लोगों की छंटनी का ऐलान किया है। एक आकलन के मुताबिक इस क्षेत्र में पांच हजार लोगों की छंटनी होने की आशंका है। विशेषज्ञों का कहना है कि स्टार्टअप में पैसे का फ्लो कम होने लगा है। 100 में से केवल 23 यूनिकार्न ही फायदे में हैं। ऐसे में निवेशक पैसे के सार्थक उपयोग का दबाव बना रहे हैं।

ब्याज दरों के बढऩे से रोजगार सृजन पर लगाम- दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों के ब्याज बढ़ाने के बाद आरबीआई को भी दरें बढ़ाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। विशेषज्ञों का कहना है कि आरबीआई ऐसा नहीं करता तो विदेशी निवेशकों द्वारा डॉलर की निकासी और तेज हो जाता जिससे रुपया और कमजोर जाता। लेकिन इससे कर्ज महंगा हो रहा है। इससे एमएसएमई, रियल एस्टेट सेक्टर पर रोजगार सृजन पर लगाम लगाने का दबाब बढ़ गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि महंगाई रोकने के उपायों से अर्थव्यस्था का चक्का रुकेगा तो रोजगार कैसे पैदा होंगे।

20 पैसे के इस शेयर ने बनाया करोड़पति, एक लाख हुए 1.45 करोड़

नई दिल्ली। पिछले एक महीने में बीएसई का 30 शेयरों वाला प्रमुख संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 4245 अंक लुढक़ चुका है। 20 अप्रैल 2022 को यह 57037 के स्तर पर बंद हुआ था और 19 मई 2022 को 52792 के स्तर पर। ऐसे में निवेशकों बड़े-बड़े स्टॉक्स ने बड़ा झटका दिया है, लेकिन आज हम 10 रुपये से कम ऐसे 3 स्टॉक्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जो अपने निवेशकों का पैसा इस अवधि में ढाई गुने से अधिक कर दिए हैं।

एक महीने में बड़ा रिटर्न देने वाले ये तीन छोटे स्टॉक्स

इस शेयर ने पिछले एक महीने में153.33 फीसद का रिटर्न दिया हैञ एक महीने पहले इंपेक्स का एक शेयर 3 रुपये से 7.60 रुपये 60 पर पहुंच गया है। यानी एक महीने पहले जिस किसी ने इसमें एक लाख रुपये लगाए होंगे, उसका एक लाख अब 2 लाख 53000 रुपये हो गया होगा। अगर इस स्टॉक के शेयर प्राइस हिस्ट्री को देखें तो एनएसई पर इसने एक हफ्ते में ही 25.62 फीसद का रिटर्न दे दिया है।

महंगाई की आग फूंक रही कमाई, नहाने से लेकर खाने तक का सामान हुआ महंगा

नई दिल्ली। लोगों को अब रोजमर्रा की वस्तुओं के लिए ज्यादा कीमत चुकानी पड़ेगी। देश में दैनिक उपभोग की सबसे आवश्यक वस्तुओं में शामिल नहाने, कपड़ा धोने का साबुन, टूथ पेस्ट और नूडल्स की कीमतों भी इजाफा हुआ है।

हिन्दुस्तान यूनिलीवर ने फरवरी के मुकाबले अपने उत्पाद नहाने के साबुन पीयर्स के कीमतों में 9 फीसदी जबकि फेस वाश में 3-4 फीसदी की बढ़ोतरी की है। वहीं रिन डिटर्जेंट बार की कीमत में 5-13 फीसदी जबकि डिटर्जेंट पाउडर 2-8 फीसदी महंगा हो गया है।

आईटीसी ने फियामा साबुन के दाम को 11 फीसदी तक बढ़ा दिया है। सिन्थाल साबुन की कीमत 5-24 फीसदी बढ़ा दी है। पतंजलि ने भी साबुन की कीमतों में इजाफा किया है।

टूथपेस्ट की कीमत भी बढ़ी : कोलगेट टूथपेस्ट की कीमतों में 2-18 फीसदी और डाबर के क्लोजअप, बबूल की कीमतों में 4-9 फीसदी का इजाफा हुआ है। चीनी की कीमतों में लगभग 1 फीसदी, गेहूं में 4 फीसदी वहीं जौ की कीमतों में लगभग 21 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

रसोई गैस की कीमत डेढ़ साल में डेढ़ गुना बढ़ी

देश में डेढ़ साल के भीतर घरेलू रसोई गैस की कीमत में डेढ़ गुना तक का इजाफा हुआ। दिसंबर 2020 में दिल्ली में रसोई गैस की कीमत 644 रुपये थी, जो अब बढक़र 1003 रुपये हो गई है। 18 महीने में 359 रुपये यानी 55 फीसदी दाम बढ़े हैं। गुरुवार को 3.50 रुपये की बढ़ोतरी के साथ दिल्ली-मुंबई में सिलेंडर 1000 रुपये से अधिक का हो गया है।

तेल, मसालों की बढ़ती कीमतों ने बिगाड़ा बजट

घरेलू गैस के बाद अब खाद्य तेल और मसालों की कीमतों ने रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के महामंत्री हेमंत गुप्ता का कहना है कि भारत में सालाना 225 लाख टन खाद्य तेल की खपत होती है, जिसमें से 150 लाख टन आयात होता है।

तकनीक में बदलाव करते ही विराट के बल्ले से निकलने लगे रन

नई दिल्ली। विराट कोहली आईपीएल 2022 के ज्यादातर मैचों में रन बनाने के लिए तरस रहे थे। गुजरात टाइटंस के खिलाफ सीजन के 67वें मैच से पहले वह केवल एक ही अर्धशतक लगा पाए थे। लेकिन गुजरात के खिलाफ उन्होंने अर्धशतकीय पारी खेलकर फॉर्म में लौटने के संकेत दे दिए हैं। वह इस सीजन में तीन बार गोल्डन डक का शिकार हो चुके थे। लेकिन अब उन्होंने इस सीजन में 300 से ज्यादा रन बना लिए हैं। कोहली ने गुजरात के खिलाफ 54 गेंदों पर 73 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली। कोहली ने इसके साथ ही आरसीबी के लिए एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वह इस फ्रेंचाइजी के लिए 7000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। टी20 क्रिकेट में विराट के अलावा अब तक किसी भी बल्लेबाज ने किसी सिंगल फ्रेंचाइजी के लिए इतने रन नहीं बनाए हैं।

कोहली की बल्लेबाजी में ये बदलाव इसलिए देखने को मिल रहा है क्योंकि हाल के समय में उन्होंने अपनी तकनीक में बदलाव किया है। टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों में कोहली का राइट पैर अपनी जगह से नहीं हिल रहा था, लेकिन गुजरात के खिलाफ उनका फुटवर्क बेहद लाजवाब रहा। अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान कोहली का दोनों पैर स्थिर दिखा और उनका पूरा ध्यान गेंद की ओर था। शुरुआती मैचों में राइट पैर पीछे होने की वजह से कोहली के बल्ले से रन नहीं निकल पा रहे थे जबकि पिछले मैच में उनका सिर और पैर बिल्कुल स्थिर था। इससे वह आसानी से बॉल पर शॉट खेल रहे थे। अपनी बल्लेबाजी तकनीक में कुछ बदलाव करते ही कोहली को उसका फर्क दिखने लगा है और अब उनके बल्ले से रन भी निकलने लगे हैं।

आईपीएल की बात करें तो विराट ने 221 मैचों में 6576 रन (गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 57 रन तक) बनाए हैं, जबकि 424 रन उनके बल्ले से चैंपियंस लीग टी20 में निकले हैं। इस तरह कुल- मिलाकर उन्होंने 7000 रन आरसीबी के लिए बना दिए हैं।

ड्रेसिंग रूम में तोडफ़ोड़ करने पर बीसीसीआई ने मैथ्यू वेड को लगाई कड़ी फटकार

नई दिल्ली। आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के विकेटकीपर बल्लेबाज मैथ्यू वेड को बीसीसीआई की ओर से कड़ी फटकार लगाई गई है। वेड को इसलिए फटकार लगाई गई है क्योंकि उन्होंने गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ आईपीएल 2022 के 67वें मैच में आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन किया था। दोनों टीमों के बीच यह मैच मुंबई के वानखड़े स्टेडियम में खेला गया था, जिसमें बैंगलोर ने गुजरात को 8 विकेट से पीटकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है।

वेड को आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 के तहत लेवल 1 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है। वेड ने मुकाबले में 13 गेंदों पर दो चौके और एक छक्के की मदद से 16 रन बनाए।

दरअसल, ये मैच में आरसीबी की ओर से ग्लेन मैक्सवेल छठा ओवर लेकर आए, जिनके ओवर की दूसरी गेंद पर मैथ्यू वेड ने स्वीप लगाने का प्रयास किया, लेकिन गेंद बल्ले का मामूली सा किनारा लेकर पैड पर लगी और ऑन साइड की ओर चली गई। मैथ्यू वेड रन दौड़ पड़े, लेकिन ग्लेन मैक्सवेल ने अपील कर दी और अंपायर ने उन्हें आउट करार दे दिया।

इसके बाद मैथ्यू वेड ने तुरंत अपना बल्ला दिखाकर डीआरएस की मांग कर दी कि उनका बल्ला गेंद पर लगा है। थर्ड अंपायर ने फुटेज में पाया कि बैट और बॉल का संपर्क हुआ है, लेकिन अल्ट्राएज में देखा तो उसमें कोई हरकत नहीं थी।

आज का राशिफल

मेष : सुकून हासिल करने लिए कुछ पल करीबी दोस्तों के साथ बिताएं। अपने गुस्से पर काबू रखें और आफिस में सबके साथ ढग़ से व्यवहार करें। अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपकी जॉब जा सकती है और आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है।

वृष : मौज-मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी।

मिथुन : आपकी इच्छा-शक्ति को प्रोत्साहन मिलेगा, क्योंकि आप बहुत पेचीदा हालात से निकलने में कामयाब रहेंगे। भावुक फैसला लेते वक्त अपनी तार्किकता न छोड़ें। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है।

कर्क: ज्यादा यात्रा करना झुंझलाहट पैदा कर सकता है। अपने अतिरिक्त धन को सुरक्षित जगह पर रखिए, जो आने वाले वक्त में आप फिर पा सकें। रिश्तेदारों के यहां जाना उससे काफी बेहतर रहेगा, जितना आप सोच सकते हैं।

सिंह : मजबूती और निडरता का गुण आपकी मानसिक क्षमताओं में इजाफा करेगा। किसी भी तरह के हालात को काबू में रखने के लिए इस रफ्तार को बरकरार रखिए। अगर आपने अपने घर के किसी सदस्य से उधार लिया था तो उसे आज लौटा दें नहीं तो वह आपके खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकता है।

कन्या : आपके घर से जुड़ा निवेश फायदेमंद रहेगा। हालात को काबू में रखने के लिए अपने भाई की मदद लें। विवाद को ज्यादा तूल देने की बजाय उसे दोस्ताना तरीके से हल करने की कोशिश करें।

तुला : अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। जीवनसाथी से पैसों से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर आज बहस होने की आशंका है।

वृश्चिक : खीज और चिढ़चिढ़ेपन के अहसास को ख़ुद पर छाने न दें। नए करार फायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक लाभ नहीं पहुंचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाजी में निर्णय न लें।

धनु: सफलता करीब होने के बावजूद आपकी ऊर्जा के स्तर में गिरावट आएगी। आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं, जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है।

मकर: आज के दिन आप काम को अलग रखकर थोड़ा आराम करें और कुछ ऐसा करें, जिसमें आपकी दिलचस्पी हो। बाकी दिनों के मुकाबले आज का दिन आर्थिक दृष्टि से अच्छा रहेगा और आपको पर्याप्त धन की प्राप्ति होगी।

कुंभ : आज आपका आत्मविश्वास और ऊर्जा का स्तर ऊंचा रहेगा। आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आप अपनी परेशानियों को भूलकर परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

मीन : आप अपने सकारात्मक रवैये और आत्मविश्वास की वजह से आस-पास के लोगों को प्रभावित करेंगे। आप घूमने-फिरने और पैसे खर्च करने के मूड में होंगे, लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है।

जल्द शादी रचाएंगे अभिनेता अभय देओल

बॉलीवुड अभिनेता अभय देओल हाल के दिनों में फिल्मों से अधिक निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में रहे हैं। सोशल मीडिया पर वह अपने फैंस से रूबरू होते रहते हैं। उनके अफेयर की बात करें तो उनका नाम कई महिलाओं के साथ जोड़ा गया। अब अभय के चाहने वालों के लिए एक खुशखबरी सामने आई है। अभय बहुत जल्द शादी रचाने वाले हैं। उन्होंने अपनी फिल्म जंगल क्राई के प्रमोशन के दौरान इस संबंध में खुलासा किया है।

उन्होंने कहा कि वह शादी करने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, जब उनसे उनकी शादी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मैं शादी कर रहा हूं। हालांकि, उन्होंने यह खुलासा नहीं किया कि उनकी दुल्हनिया कौन बनेंगी। साथ ही उन्होंने अपनी शादी से जुड़ी अन्य जानकारियों को भी साझा करना उचित नहीं समझा। उम्मीद है कि जल्द इस संबंध में आधिकारिक जानकारी सामने आएगी।

रिपोर्ट की मानें तो अभय का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है, जिसमें वह अपनी शादी के बारे में बात करते हुए दिखे हैं। उनकी शादी कब और कहां होगी, इसको लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई है। बता दें कि अभय 46 साल के हो चुके हैं, इसलिए फैंस उनकी शादी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ये तो आने वाले वक्त में ही पता चलेगा कि कब दुल्हे के रूप में उनका सेहरा सजेगा।

विजय देवरकोंडा-सामंथा स्टारर फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर, टाइटल किया गया रिलीज

एक्टर विजय देवरकोंडा स्टार हीरोइन सामंथा रूथ प्रभु के साथ एक रोमांटिक प्रेम कहानी के लिए साथ काम कर रहे हैं, जिसे शिव निर्वाण द्वारा निर्देशित किया जा रहा है। फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म का टाइटल और फस्ट लुक पोस्टर रिलीज किया। सामंथा ने अपनी फिल्म कुशी का फस्ट लुक पोस्टर साझा करते हुए लिखा, इस क्रिसमस-नए साल पर। खुशी, हंसी, और प्यार का एक विस्फोट होगा। एक भव्य परिवारिक अनुभव के साथ कुशी तेलुगू तमिल कन्नड़ मलयालम में। 23 दिसंबर को वल्डवाइड रिलीज हो रही है।फिल्म के फस्ट लुक में विजय स्टाइलिश अवतार में हैं और सामंथा पारंपरिक पोशाक में हैं।

ट्राय करें 'मटर-पनीर के कटलेट्स'

मटर पनीर कटलेट, जिन्हें हर खाने वाला आपकी तारीफ किए बगैर रह नहीं पाएगा। तो अब जब कभी आपके घर मेहमान आएं उन्हें चाय के साथ ये स्नैक्स परोसें। इससे पहले जान लें इसकी रेसिपी।

सामग्री :

100 ग्राम पनीर, 150 ग्राम मटर, 2-3 हरी मिर्च, ग्रीन चिली सॉस, धनिया पत्ती, पुदीने की पत्तियां, 1 टीस्पून नमक, जीरा पाउडर- 1 टीस्पून, लाल मिर्च पाउडर- 1 टीस्पून, चाट मसाला- 1 टीस्पून, पके हुए चावल- 1/2 कप

विधि :

- मटर और हरी मिर्च को एक साथ मिक्सी में पीस लें।
- एक मिक्सिंग बाउल में पिसे हुए मटर, कद्दूकस किया पनीर, पके चावल, अदरक, ग्रीन चिली सॉस, धनिया-पुदीना पत्ती और नमक मिक्स करें।
- अच्छी तरह मिक्स कर लें।
- चॉपिंग बोर्ड पर इस मिक्सचर को फैलाएं और फिर चाकू से मनचाहे शेप में काट लें।
- इसे आप दो तरीके से बना सकते हैं। डीप फ्राई करके या फिर शैलो फ्राई करके।
- दोनों तरफ उलट-पलट कर सुनहरा होने तक फ्राई कर लें।
- क्रिस्पी बनाने के लिए हल्का ठंडा होने के बाद एक बार और फ्राई कर लें।

शब्द सामर्थ्य- 78

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

1		2	3	4		■	■	5
	■	6			■	7		
8	9	■	■	10	11		■	
■		■	12	■	13			
14		■	15				■	■
■	16			■	■	■	17	18
19	■	■	20	21	22	■	23	
	■	24	■	25		26		■
27					■	28		

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 077 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

सू-दोकू- 78

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.077 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7